**पिछड़ी जातियों के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्तियां**

4231. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1967-68 में कालेज तथा हाई स्कूल के पिछड़ी जातियों तथा हरिजन समुदाय से सम्बन्ध रखने वाले विद्यार्थियों को बिहार सरकार द्वारा छात्रवृत्ति के रूप में कितनी राशि दी गई ;

(ख) उस राशि का जिलावार, कालिज-वार और स्कूलवार अलग-अलग ब्यौरा क्या है;

(ग) कितने विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां दी गईं ; और

(घ) छात्रवृत्तियां किस आधार पर दी जाती हैं?

**समाज कल्याण विभाग तथा पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुत्थान राव)** : (क) और (ग). राज्य सरकार से ब्यौरा प्राप्त किया जा रहा है और प्राप्त होते ही उसे सदन के पटल पर रख दिया जायेगा।

(ख) इस प्रकार के विस्तृत आंकड़े शीघ्रता से प्राप्य नहीं। एक हजार से अधिक संस्थान इससे सम्बन्धित हैं ; यह जानकारी प्राप्त करने में जो रुपया और समय खर्च होगा वह उस उद्देश्य, जो दृष्टि में है, से संमेय नहीं।

(घ) मैट्रिक पूर्व तथा मैट्रिक उपरांत की छात्रवृत्तियां बांटने के लिए बनाये गए नियमों और विनियमों के अनुसार।

**बिहार में बाढ़**

4232. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में प्रति वर्ष विनाशकारी बाढ़ आती है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1967 में बाढ़ का प्रभाव कितने क्षेत्र पर पड़ा तथा उस से हुई क्षति के आंकड़े क्या हैं ;

(ग) गत वर्ष बाढ़ग्रस्त लोगों को बचाने तथा अन्य सहायता कार्य करने के लिये कुल कितनी नावों की व्यवस्था की गई तथा उनके जिलावार आंकड़े क्या हैं ; और

(घ) कितनी नावें सरकारी थीं और कितनी नावें किराये पर ली गई थीं तथा इन नावों का कितना किराया दिया गया था?

**सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद)** : (क) बिहार का एक बड़ा भाग हर साल बाढ़ों से प्रभावित हुआ करता था। किन्तु गत 14 वर्षों के दौरान राज्य के बाढ़ नियन्त्रण कार्यक्रम से काफ़ी राहत मिल गई है।

(ख) 1967 में आई बाढ़ों से लगभग 14.5 लाख हैक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ था। फसलों को लगभग 22 करोड़ रुपये की और सार्वजनिक उपयोगी कार्यों को 6 लाख रुपये की हानि हुई थी।

(ग) विविध जिलों में सहायता देने के लिये 3639 नावों को प्रयोग में लाया गया जैसा कि नीचे दिया गया है :

| | |
|---|---|
| मुजफ़्फ़रपुर | 918 |
| दर्भंगा | 539 |
| चम्पारण | 231 |
| पूर्णिया | 424 |
| सहरसा | राज्य सरकार ने इसके बारे में सूचना नहीं दी है। |
| मुंगेर | 335 |
| सारन | 124 |
| शाहबाद | 250 |
| भागलपुर | 44 |
| पटना | 747 |